

वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र आघात-सहनीय बना रहा जैसा कि मजबूत पूँजी बफर, उच्च लीवरेज अनुपात और बेहतर लाभप्रदता में परिलक्षित होता है। अपनी वर्तमान मजबूती के बावजूद, व्यापार नीति की अनिश्चितता के बीच वैश्विक जीडीपी की वृद्धि धीमी होने की उम्मीद है, जबकि मुद्रास्फीति में कमी आएगी। केंद्रीय बैंकों ने मौद्रिक नीति में सहजता दिखाई है। वैश्विक विनियामकीय और पर्यवेक्षी पहल बैंकों और गैर-बैंकों के अंतर्संबंधों के साथ-साथ वित्तीय प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो-आस्तियों के एकीकरण से उत्पन्न चिंताओं को दूर करने पर केंद्रित रही हैं। नीति निर्माताओं को बढ़ती व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, तकनीकी नवाचारों और जलवायु जोखिमों के बीच वित्तीय प्रणाली में उभरते जोखिमों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है।

परिचय

II.1 वर्ष 2025 के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था ने आघात-सहनीयता दिखाई, जिसे प्रारंभिक अत्यधिक आयात, सुगम वित्तीय स्थितियों और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में प्रोत्साहनकारी राजकोषीय रुख का समर्थन प्राप्त हुआ, हालाँकि दूसरी छमाही में मंदी के कुछ संकेत मिले। ऊर्जा की कीमतों में कमी और माँग में कमी के कारण मुद्रास्फीति सौम्य बनी रही। हालाँकि, व्यापार नीति की अनिश्चितता, भू-आर्थिक विखंडन, भू-राजनीतिक तनाव और उच्च ऋण स्तर, आर्थिक परिदृश्य पर दबाव डाल रहे हैं।

II.2 वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र ने इन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया, मजबूत पूँजी बफर और बेहतर लाभप्रदता का लाभ उठाया। वैश्विक वित्तीय बाजार कम फंडिंग स्प्रेड और इकिवटी कीमतों में उछाल के साथ अस्थिर बने रहे। पूँजी बाजार और ऋण मध्यस्थता में गैर-बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थों (एनबीएफआई) की भूमिका बढ़ रही है। फिर भी, धीमी वैश्विक वृद्धि और एनबीएफआई में बैंकों के एक्सपोजर में विस्तार के बीच जोखिमपूर्ण आस्तियों का मूल्यांकन बढ़ा हुआ प्रतीत होता है। ये वैश्विक बदलाव वित्तीय प्रणाली में कमियाँ पैदा कर सकते हैं। सरकारी क्षेत्र की ओर ऋण के निरंतर अंतरण और बैंकों व गैर-बैंकिंग संस्थाओं के एक्सपोजर में वृद्धि के

कारण, सॉवरेन बॉण्ड बाजारों में दबाव सीधे बैंकों तक पहुँच सकता है। एनबीएफआई के बढ़ते आकार और बैंकों के बढ़ते एक्सपोजर ने वित्तीय प्रणाली में जोखिम लेने और परस्पर जुड़ाव को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं। वैश्विक विदेशी मुद्रा बाजार वृहद वित्तीय अनिश्चितता के प्रति संवेदनशील बने हुए हैं, जिससे अन्य आस्ति वर्गों में भी इसका प्रभाव-विस्तार फैलने का जोखिम बढ़ गया है और वित्तीय स्थितियां सख्त हो गई हैं। नीति निर्माता लीवरेज, चलनिधि बेमेलता और सीमा पार प्रभाव – विस्तार से होने वाले जोखिमों के प्रति सतर्क रहे, भले ही स्टेबलकॉइन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे वित्तीय नवाचार का उपयोग बाजार संरचनाओं और पर्यवेक्षी प्रथाओं को नया रूप दे रहे हों। इस माहौल में, वित्तीय स्थिरता के लिए वित्तीय क्षेत्र के विनियमन और पर्यवेक्षण को मजबूत करना महत्वपूर्ण बना हुआ है।

II.3 इस पृष्ठभूमि में, इस अध्याय में वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र के विकास को शामिल किया है। खंड 2 में वर्तमान वैश्विक समष्टि आर्थिक स्थितियों की समीक्षा की गई है। खंड 3 में वर्तमान वैश्विक बैंकिंग नीति विकासक्रम की चर्चा की है। खंड 4 में वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र के वित्तीय कार्यनिष्पादन की जांच की है, इसके बाद खंड 5 में टियर 1 पूँजी स्थिति के आधार पर विश्व के शीर्ष 100 बैंकों का विश्लेषण किया गया है। खंड 6 में एक समग्र मूल्यांकन के साथ समापन किया है।

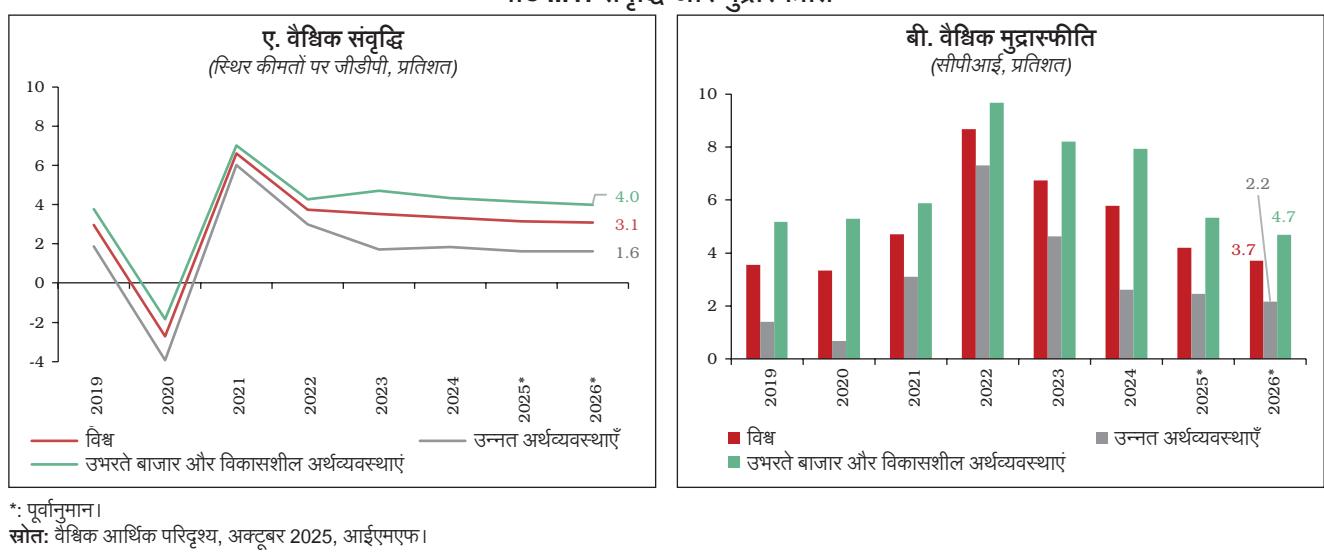
2. वैश्विक समष्टि-आर्थिक स्थितियाँ

II.4 व्यापार और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच, वैश्विक वृद्धि दर 2024 के 3.3 प्रतिशत से मामूली रूप से घटकर 2025 में 3.2 प्रतिशत और 2026 में 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है।¹ यह वैश्विक अर्थव्यवस्था की आघात-सहनीयता को दर्शाता है, जिसे आंशिक रूप से व्यापार और निवेश में प्रारंभिक वृद्धि और कुछ प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में राजकोषीय विस्तार से समर्थन प्राप्त है। फिर भी, वैश्विक वृद्धि महामारी-पूर्व ऐतिहासिक औसत 3.7 प्रतिशत से नीचले स्तर पर बनी हुई है।² व्यापार नीति की अनिश्चितता और संरक्षणवाद के कारण भविष्य के लिए जोखिम भी नकारात्मक पक्ष की ओर झुके हुए हैं जो निवेश को कम कर सकते हैं और आपूर्ति शून्खलाओं को बाधित कर सकते हैं, उभरती बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं (ईमडीई) 2025 में 4.2 प्रतिशत और 2026 में 4.0 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जबकि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (ई) के लिए यह दर 1.6 प्रतिशत है (चार्ट II.1ए)। आसान वित्तीय स्थितियाँ, ईमडीई के लिए लाभकारी हैं क्योंकि वे नीतिगत ढाँचे में सुधार के कारण आघात-सहनीयता प्रदर्शित करती रहती हैं।

II.5 वैश्विक मुद्रास्फीति सौम्य बनी हुई है, और कम माँग एवं कम ऊर्जा कीमतों के कारण, हेडलाइन मुद्रास्फीति 2025 में घटकर 4.2 प्रतिशत और 2026 में 3.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। बहरहाल, ईमडीई (4.7 प्रतिशत) की तुलना में ई (2026 में 2.2 प्रतिशत) में मुद्रास्फीति के पहले के लक्ष्य पर वापस पहुँचने का अनुमान है (चार्ट II.1बी)।

II.6 केंद्रीय बैंकों ने वर्ष 2024 की दूसरी छमाही से नीतिगत दरों को घटाकर मुद्रास्फीति में कमी और वृद्धि में कमी की प्रतिक्रिया दी। यह 2022-2023 के दौरान मुद्रास्फीति में वृद्धि का मुकाबला करने के लिए प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाई गई मौद्रिक सख्ती की लंबी अवधि से एक महत्वपूर्ण उलटफेर था। हालांकि, केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाया गया यह नीतिगत मार्ग लक्ष्य से ऊपर मुद्रास्फीति की स्थिरता के साथ-साथ विकास और श्रम बाजार की चिंताओं से प्रेरित देशों में भिन्न होता है। जून 2024 में यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) ने अपनी पहली दर कटौती के बाद से नीतिगत दरों में संचयी 250 आधार अंकों (बीपीएस) की कमी की, जबकि अगस्त 2024 में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने अपने सहजता चक्र की शुरुआत के बाद दरों

चार्ट II.1: संवृद्धि और मुद्रास्फीति



¹ आईएमएफ (2025)। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य, अक्टूबर 2025, आईएमएफ।

² 2010 से 2019 तक वैश्विक विकास का 10 वर्षीय औसत।

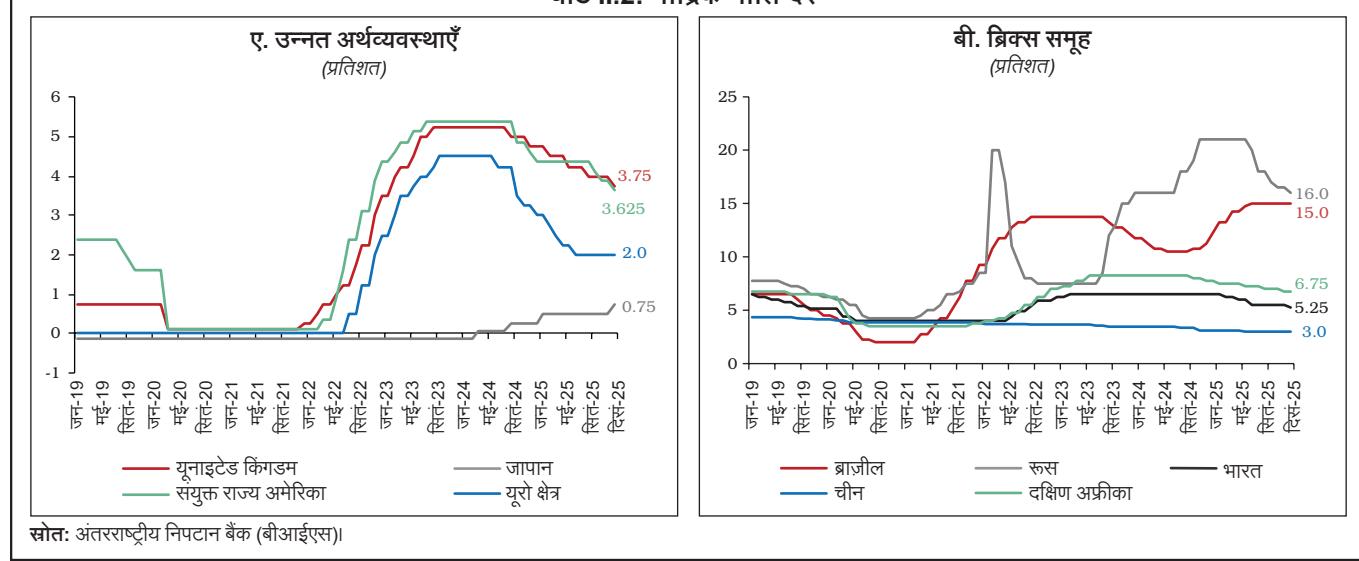
में कुल 150 आधार अंकों की कटौती की। सितंबर 2024 में यूएस फेडरल रिजर्व ने नीतिगत दर को सहज करना शुरू कर दिया, जिसमें अब तक 175 आधार अंकों की संचयी कमी हुई है। इसके विपरीत, मार्च 2024 से बैंक ऑफ जापान ने बढ़ती मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए 85 आधार अंकों की संचयी वृद्धि के साथ एक मौद्रिक सख्ती चक्र अपनाया (चार्ट II.2ए)। ब्रिक्स समूह में, दक्षिण अफ्रीका ने सितंबर 2024 में नीतिगत दर में कटौती की जिसके बाद भारत ने फरवरी 2025 में और रूस ने जून 2025 में यह कदम उठाया। अगस्त 2023 से विराम के बाद, चीन ने जुलाई 2024 में नीतिगत दर को और कम किया। ब्राजील ने सितंबर 2024 से एक मौद्रिक सख्ती चक्र अपनाया है, जिसमें मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य तक लाने के लिए नीतिगत दर में 450 आधार अंकों की वृद्धि की है (चार्ट II.2बी)।

II.7 प्रस्तावित उच्च अमेरिकी आयात शुल्क लगाने की प्रतिक्रिया में, संरक्षणवाद के बावजूद, प्रारंभिक रूप से अत्यधिक आयात और निर्यात के कारण विश्व व्यापार मजबूत

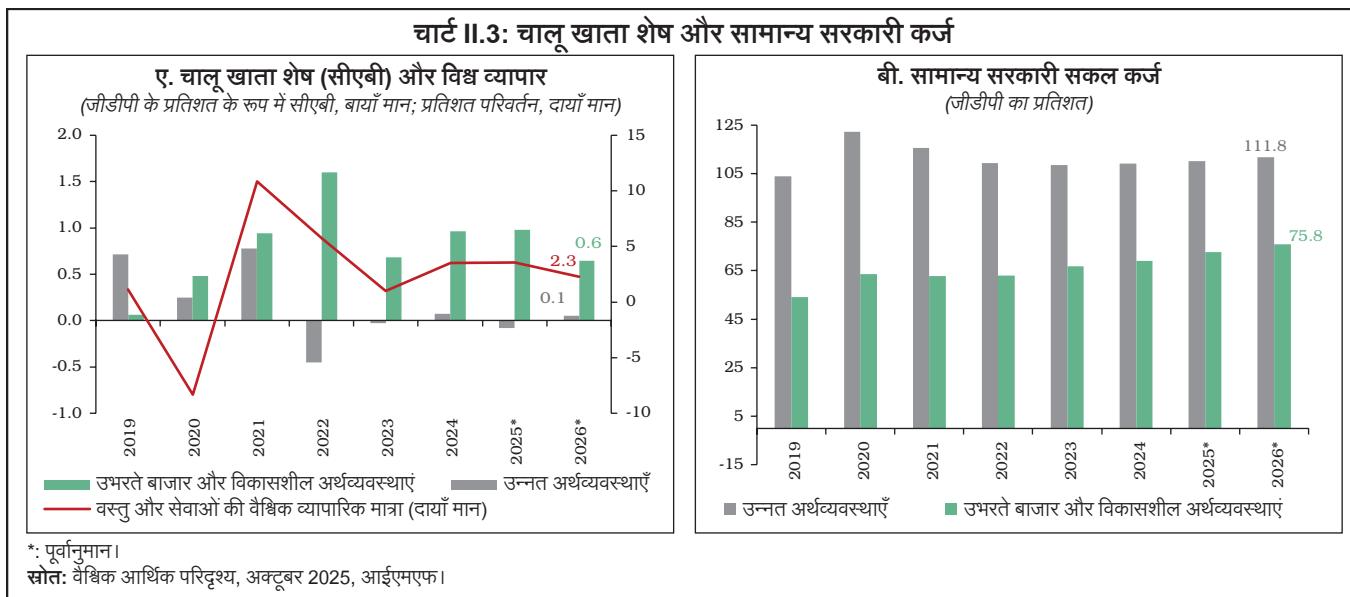
बना रहा। वैश्विक व्यापार की मात्रा 2025 में 3.6 प्रतिशत की दर से तेजी से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 में 2.3 प्रतिशत तक धीमी हो जाएगी।³ 2024 में एई के चालू खाते की अधिशेष की तुलना में 2025 में घटाने का अनुमान है। यह मुख्य रूप से अमेरिका में जारी व्यापार घाटे और यूरो क्षेत्र में अधिशेष में कमी के कारण है। ईएमडीई में, चालू खाता अधिशेष 2025 में जीडीपी के 1.0 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रहने का अनुमान है, जो 2026 में घटकर 0.6 प्रतिशत हो जाएगा (चार्ट II.3ए)। इसका एक कारण संभावित टैरिफ से पहले किए गए एहतियाती व्यापार से चीन के लिए अधिशेष में वृद्धि होना है।

II.8 वर्ष 2025 में एई के लिए सामान्य सरकारी सकल क्रण मामूली रूप से बढ़कर जीडीपी का 110.2 प्रतिशत और 2026 में जीडीपी का 111.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। ईएमडीई भी उच्च ब्याज भुगतान और संवृद्धि में नरमी के कारण क्रण-जीडीपी अनुपात में 2025 में 72.7 प्रतिशत और 2026 में 75.8 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान से बढ़ते राजकोषीय दबाव में हैं (चार्ट II.3बी)।

चार्ट II.2: मौद्रिक नीति दरें



³ आईएमएफ (2025)। वैश्विक आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईआर), अक्टूबर।



3. वैश्विक बैंकिंग नीति घटनाक्रम

II.9 बढ़ते व्यापार और आर्थिक नीति अनिश्चितता के बीच वैश्विक परिदृश्य और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। मार्च 2020 में कोविड-19 के कारण बाजार में आई उथल-पुथल और मार्च 2023 के बैंकिंग दबाव ने यह दर्शाया है कि सतर्कता, सक्रिय नीतिगत प्रतिक्रियाओं और वैश्विक वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने से समस्याएँ शीघ्र ही दूर हो सकती हैं। विनियामक और केंद्रीय बैंक, एनबीएफआई के बढ़ते आकार और बैंकों के साथ उनके गहरे संबंधों, वित्तीय प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो-आस्तियों के एकीकरण, और जलवायु परिवर्तन के मंडराते खतरे से उत्पन्न होने वाले प्रणालीगत जोखिमों को कम करने के उपाय कर रहे हैं।

3.1 आघात-सहनीय वित्तीय संस्थानों का निर्माण⁴

II.10 विवेकपूर्ण विनियमन और प्रभावी पर्यवेक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए, बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बासेल समिति (बीसीबीएस) ने 1 जनवरी 2023 से प्रभावी बासेल III फ्रेमवर्क

के सभी पहलुओं के कार्यान्वयन को प्राथमिकता दी है। सितंबर 2025 तक, अधिकांश सदस्य क्षेत्राधिकारों ने बासेल III के अंतिम तत्वों को लागू करने वाले अपने नियम प्रकाशित किए हैं। सितंबर 2024 के अंत से, अंतिम बासेल III मानक 27 सदस्य क्षेत्रों में से 40 प्रतिशत से अधिक में लागू हुए हैं। संशोधित 34 जोखिम और परिचालन जोखिम मानकों के साथ ही आउटपुट फ्लोर, अब लगभग 80 प्रतिशत सदस्य क्षेत्रों में प्रभावी हुए हैं, जबकि 34 मूल्यांकन समायोजन मानक लगभग 70 प्रतिशत में और संशोधित बाजार जोखिम मानक लगभग 40 प्रतिशत में प्रभावी हुए हैं।

II.11 अन्य बासेल III मानकों पर भी आगे प्रगति हुई है जिनकी कार्यान्वयन तारीख 1 जनवरी 2023 से पहले थी। सितंबर 2024 के अंत से, एक अतिरिक्त क्षेत्र ने गैर-केंद्रीय समाशोधित व्युत्पन्नी (एनसीसीडी) के लिए मार्जिन आवश्यकताओं को लागू किया है, जबकि दूसरे ने बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम को लागू करने का कार्य पूरा किया है। इसके अतिरिक्त, दो सदस्य क्षेत्रों ने क्रिप्टो-आस्तियों पर अंतिम विनियम प्रकाशित किए हैं। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए, फेडरल

⁴ बीआईएस (2025)। समयबद्धता पर आरसीएपी: बासेल III कार्यान्वयन डैशबोर्ड, 3 अक्टूबर अपडेट।

रिजर्व बोर्ड ने सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए दबाव परीक्षण मॉडल और परिदृश्यों को प्रकाशित करते हुए अपने पर्यवेक्षी दबाव परीक्षण ढाँचे को संशोधित करने का प्रस्ताव रखा।

3.2 साइबर आघात-सहनीयता

II.12 तेजी से डिजिटल होनेवाले और परस्पर जुड़े परिवेश में, साइबर और परिचालन संबंधी घटनाएँ वित्तीय स्थिरता के लिए एक बढ़ता हुआ खतरा बन गई हैं। पर्यवेक्षी प्राधिकरण व्यवधानों पर नज़र रखने और प्रतिक्रियाओं का समन्वय करने के लिए समय पर घटना रिपोर्टिंग पर निर्भर हैं, लेकिन क्षेत्रों में खंडित ढाँचे चुनौतियाँ पेश करते हैं। इस कमी को पूरा करने के लिए, वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) ने अप्रैल 2025 में, घटना रिपोर्टिंग एक्सचेंज के प्रारूप (एफआईआरई) पर अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें विखंडन को कम करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय फर्मों के लिए अनुपालन आसान बनाने के लिए एक मानकीकृत रिपोर्टिंग प्रारूप पेश किया गया।⁵ इसे निजी क्षेत्र के साथ घनिष्ठ सहयोग से विकसित किया गया है और साथ ही, इसे तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाताओं और वित्तीय क्षेत्र से बाहर की संस्थाओं पर भी लागू करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वैश्विक कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए, एफएसबी ने एक टैक्सोनॉमी पैकेज भी जारी किया है जिसमें एक डेटा मॉडल शामिल है, जो एफआईआरई के मशीन-पठनीय प्रारूपों को सक्षम बनाता है।⁶

3.3 प्रतिभूतिकरण पर जी20 वित्तीय विनियामकीय सुधार

II.13 वैश्विक वित्तीय संकट (जीएफसी) के बाद शुरू किए गए विनियामकीय सुधारों का उद्देश्य पारदर्शिता में सुधार, हितों के टकराव का समाधान, बैंकों के प्रतिभूतिकरण जोखिमों के लिए विनियामकीय पूँजी व्यवस्था को मजबूत करना और प्रतिभूतिकरण से जुड़े प्रोत्साहनों को संरेखित करना था।

एफएसबी ने जुलाई 2024 में जारी परामर्श रिपोर्ट पर प्राप्त फीडबैक के आधार पर जनवरी 2025 में इन सुधारों का मूल्यांकन करते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की। यह पाया गया है कि विनियामकीय सुधारों ने प्रतिभूतिकरण बाजारों की आघात-सहनीयता में सुधार लाया और वित्तपोषण गतिविधि पर किसी भी नकारात्मक प्रभाव का कोई ठोस सबूत नहीं है।⁷ जीएफसी में भूमिका निभाने वाली जटिल संरचनाओं, जैसे सबप्राइम आस्तियों का प्रतिभूतिकरण, संपार्शिक ऋण दायित्वों और पुनर्प्रतिभूतिकरण में उल्लेखनीय रूप से गिरावट आई है, जबकि बाजार पारदर्शिता में सुधार हुआ है। इसके अलावा, मूल्यांकन में पाया गया है कि इन सुधारों ने बैंकों से एनबीएफआई क्षेत्र में जोखिम अंतरित करने में मदद की है, क्योंकि बैंक उच्च-श्रेणीकृत किश्तों में निवेश करने की ओर बढ़ गए हैं। यह बदलाव आंशिक रूप से गैर-बैंकों की बढ़ती भूमिका और प्रतिभूतिकरण बाजारों में उनकी बढ़ती भागीदारी से प्रेरित है।

3.4 गैर-बैंक व्यावसायिक स्थावर संपदा बाजार में कमियाँ⁸

II.14 व्यावसायिक स्थावर संपदा (सीआरई) बाजार ने महामारी के बाद से कार्यालयों और खुदरा स्थानों की मांग में कमी और वर्ष 2022-2023 में मौद्रिक नीति में सख्ती के बाद उच्च उधारी लागतों के कारण महत्वपूर्ण दबाव का अनुभव किया है। हालांकि बैंक सीआरई के वित्तपोषण का मुख्य स्रोत बने हुए हैं, कुछ क्षेत्रों में गैर-बैंक निवेशकों, विशेष रूप से संपत्ति निधि और स्थावर संपदा निवेश न्यासों का भागीदारी में एक बड़ा हिस्सा है।

II.15 एफएसबी ने इन गैर-बैंक सीआरई निवेशकों से जुड़ी तीन मुख्य कमजोरियों – असीमित अवधिवाली निधियों में चलनिधि की बेमेलता, उच्च वित्तीय लीवरेज और आस्ति मूल्यांकन में अस्पष्टता पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में बैंकों और

⁵ एफएसबी (2025)। घटना रिपोर्टिंग एक्सचेंज पर प्रारूप (एफआईआरई): अंतिम रिपोर्ट, अप्रैल।

⁶ एफएसबी (2025)। घटना रिपोर्टिंग एक्सचेंज पर (एफआईआरई) प्रारूप: वर्गीकरण पैकेज, अप्रैल।

⁷ एफएसबी (2025)। प्रतिभूतिकरण पर जी20 वित्तीय विनियामकीय सुधारों के प्रभावों का मूल्यांकन: अंतिम रिपोर्ट, जनवरी।

⁸ एफएसबी (2025)। गैर-बैंक व्यावसायिक वास्तविक संपदा निवेशकों में कमियाँ, जून।

इन गैर-बैंक सीआरई निवेशकों के बीच अंतर्संबंधों के कारण एक चौथी व्यापक भेद्यता पर भी प्रकाश डाला गया है, जिससे बैंकिंग प्रणाली में प्रभाव-विस्तार की संभावना बढ़ जाती है।

3.5 गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता

II.16 पिछले दशक में वास्तविक अर्थव्यवस्था के वित्तपोषण में एनबीएफआई की भूमिका का विस्तार हुआ है, और 2024 में वैश्विक वित्तीय आस्तियों में इस क्षेत्र का हिस्सा 51.0 प्रतिशत रहा। 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट, मार्च 2020 की बाजार उथल-पुथल, मार्च 2021 की आर्केगोस की विफलता और 2022 में पण्य बाजारों की उथल-पुथल के अनुभव दर्शाते हैं कि एनबीएफआई प्रणालीगत जोखिम भी पैदा कर सकते हैं या बढ़ा सकते हैं। एफएसबी ने बैंकों और एनबीएफआई के बीच के संबंधों के तीन मुख्य रूपों पर प्रकाश डाला है: (i) निधीयन और जमा संबंध, जहां गैर-बैंक बैंकों में जमा रखते हैं; (ii) बैंकों द्वारा गैर-बैंकों को उधार, रेपो और अन्य क्रेडिट एक्सपोजर; और (iii) निवेश निधियों, बीमाकर्ताओं, और पेंशन निधियों में बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों की धारिता।⁹ एफएसबी प्रणालीगत जोखिम पैदा करने वाली कमियों का आकलन और समाधान करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मानक-निर्धारण निकायों के साथ सहयोग कर रहा है। नीति का उद्देश्य चलनिधि की मांग में अत्यधिक वृद्धि को कम करना; दबाव में चलनिधि आपूर्ति की आघात-सहनीयता को बढ़ाना; और प्राधिकारियों एवं बाजार सहभागियों की जोखिम निगरानी और तैयारी में सुधार करना रहा है। इस दिशा में सुधारों का कार्यान्वयन जारी है, हालाँकि विभिन्न क्षेत्रों में इसकी गति असमान है।

II.17 समय के साथ, एनबीएफआई क्षेत्र अधिक विविधतापूर्ण और तेजी से जटिल होता गया है, जिसके व्यावसायिक मॉडल और कार्यनीतियाँ लगातार विकसित हो रही हैं और अक्सर लीवरेज का उपयोग कर रही हैं। एनबीएफआई क्षेत्र के कुछ हिस्सों में लीवरेज और चलनिधि के असंतुलन से उत्पन्न

कमज़ोरियाँ, जिनके कारण बाजार में दबाव की घटनाएँ हुईं, वैश्विक वित्तीय प्रणाली में भी जारी हैं।¹⁰ एफएसबी यह सिफारिश करता है कि प्राधिकारियों को: (i) एनबीएफआई लीवरेज द्वारा उत्पन्न वित्तीय स्थिरता जोखिमों की पहचान और निगरानी के लिए एक घरेलू ढांचा स्थापित करना चाहिए; और (ii) लचीले, लक्षित और आनुपातिक तरीके से पहचाने गए वित्तीय स्थिरता जोखिमों का समाधान करने के लिए नीतिगत उपायों का चयन, डिजाइन और जांच करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

II.18 ये घटनाएँ एनबीएफआई क्षेत्र में चलनिधि संबंधी दबाव से निपटने के लिए नीतिगत समायोजन की आवश्यकता को भी उजागर करती हैं, जो बाजार के तनाव के समय मार्जिन और संपार्श्चक मांग में वृद्धि से उत्पन्न होता है।¹¹ एफएसबी केंद्रीय और गैर-केंद्रीय समाशोधित व्युत्पन्नी और प्रतिभूति बाजारों में मार्जिन और संपार्श्चक कॉल के लिए गैर-बैंक बाजार सहभागियों की चलनिधि संबंधी तैयारी को बढ़ाने के लिए समाधान निश्चित करता है।

II.19 एफएसबी ने डेटा से संबंधित कई चुनौतियों की पहचान की है जो कमियों का प्रभावी ढंग से आकलन करने की प्राधिकारियों की क्षमता में बाधा डालती हैं। तदनुसार, इसने गैर-बैंक क्षेत्र से उत्पन्न वित्तीय स्थिरता जोखिमों की पहचान, आकलन और उन्हें कम करने की प्राधिकारियों की क्षमता को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 में एक गैर-बैंक डेटा टारस्क फोर्स की स्थापना की है। एफएसबी ने गैर-बैंक डेटा चुनौतियों से निपटने के लिए एक कार्ययोजना भी पेश की है, जिसमें दो उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्र अर्थात् मुख्य वित्तीय बाजारों में लीवरेज ट्रेडिंग कार्यनीतियों और निजी वित्त शामिल हैं।¹²

3.6 जलवायु और प्रकृति-संबंधी जोखिम

II.20 जलवायु परिवर्तन योजनाओं ने वित्तीय संस्थानों और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए जलवायु-संबंधी जोखिमों के

⁹ एफएसबी (2025)। गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता पर वैश्विक निगरानी रिपोर्ट, दिसंबर।

¹⁰ एफएसबी (2025)। गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता की आघात-सहनीयता बढ़ाना: प्रगति रिपोर्ट, जुलाई।

¹¹ एफएसबी (2024)। मार्जिन और संपार्श्चक मांग के लिए चलनिधि उपलब्धता: अंतिम रिपोर्ट, दिसंबर।

¹² एफएसबी (2025)। गैर-बैंक डेटा चुनौतियों से निपटने के लिए एफएसबी कार्य योजना, जुलाई।

प्रबंधन हेतु अपनी कार्यनीतियों और दृष्टिकोणों को संप्रेषित करने के साधन के रूप में प्रमुखता प्राप्त की है। जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न वित्तीय जोखिमों से निपटने के अपने रोडमैप के एक हिस्से के रूप में, एफएसबी ने जनवरी 2025 में एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें वित्तीय स्थिरता के लिए संक्रमण योजनाओं की प्रासंगिकता का आकलन किया गया।¹³ यह रिपोर्ट तीन माध्यमों से जलवायु-संबंधी वित्तीय जोखिमों से निपटने में संक्रमण योजनाओं की भूमिका पर प्रकाश डालती है - बेहतर जोखिम प्रबंधन में योगदान, निवेश निर्णयों को सूचित करना और वित्तीय प्रणाली तथा वास्तविक अर्थव्यवस्था दोनों में संक्रमण और भौतिक जोखिमों की वृहद निगरानी में अधिकारियों की सहायता करना। चूंकि ये भविष्योन्मुखी जानकारी प्रदान करती हैं, इसलिए संक्रमण योजनाओं में वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने की क्षमता होती है।

3.7 सीमा-पार भुगतान

II.21 2020 में, जी20 ने तेज, सस्ते, अधिक पारदर्शी और समावेशी सीमा-पार भुगतानों के लिए एक रोडमैप आरंभ किया और इस संबंध में वैधिक मात्रात्मक लक्ष्यों के एक समूह का समर्थन किया। अक्टूबर 2025 में, एफएसबी ने इस जी20 रोडमैप पर समेकित प्रगति रिपोर्ट प्रकाशित की।¹⁴ रिपोर्ट में इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि हालाँकि रोडमैप की अधिकांश गतिविधियाँ पूरी हो चुकी हैं, लेकिन इन प्रयासों में अभी तक कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है, और वर्ष 2025 के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक केवल मामूली सुधार ही दिखा रहे हैं। अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए सूचना की पारदर्शिता में मामूली सुधार के साथ सीमा-पार भुगतानों तक पहुँच व्यापक बनी रही। हालाँकि थोक सीमा-पार भुगतान की वैधिक गति में सुधार हुआ है, फिर भी विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक भिन्नताएँ बनी हुई हैं और थोक भुगतान प्राप्त करने की गति के मामले में दक्षिण एशिया पिछड़ रहा है। ऐसे भुगतानों की औसत वैधिक लागत विभिन्न

क्षेत्रों में व्यापक रूप से भिन्न जैसे एशिया-प्रशांत में सबसे कम और उप-सहारा अफ्रीका में सबसे अधिक है। साथ ही, सीमा-पार भुगतान को बढ़ाने के लिए घरेलू भुगतान अवसंरचना का आधुनिकीकरण और बैंक तथा गैर-बैंक भुगतान सेवा प्रदाताओं के लिए एक समान अवसर प्रदान करना आवश्यक है।

3.8 क्रिप्टो-आस्तियाँ

II.22 स्टेबलकॉइन - एक या एक से अधिक कागजी मुद्राओं का संदर्भ देकर स्थिर मूल्य बनाए रखने के लिए डिज़ाइन की गई क्रिप्टो-आस्तियाँ - डिजिटल आस्ति पारितंत्र का एक प्रमुख घटक बन गई हैं। स्टेबलकॉइन का बाजार पूँजीकरण सितंबर 2025 के अंत तक लगभग 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया।¹⁵ स्टेबलकॉइन के बढ़ते उपयोग से मौद्रिक नीति और वित्तीय स्थिरता दोनों के लिए चिंताएँ बढ़ रही हैं, विशेष रूप से ईएमडीई में, क्योंकि इनका व्यापक उपयोग केंद्रीय बैंकों के मुद्रा आपूर्ति और ब्याज दरों पर नियंत्रण को कमज़ोर कर सकता है। स्टेबलकॉइन के प्रसार से मुद्रा प्रतिस्थापन, मौद्रिक नीति संचरण का प्रभाव कमज़ोर होने और बैंकिंग मध्यस्थता के जोखिम भी उत्पन्न होते हैं।¹⁶

II.23 अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक (बीआईएस) के अनुसार, किसी भी प्रकार की मुद्रा को मौद्रिक प्रणाली की रीढ़ बनने के लिए तीन परीक्षणों अर्थात् एकरूपता, लोच और अखंडता से गुजरना होगा। इन मानकों के आधार पर मूल्यांकन किए जाने पर स्टेबलकॉइन खराब प्रदर्शन करते हैं। स्टेबलकॉइन अक्सर अलग-अलग विनियम दरों पर कारोबार करते हैं, जिससे एकरूपता कमज़ोर होती है। वे लोच परीक्षण में भी विफल हो जाते हैं क्योंकि जारीकर्ता के तुलन पत्र का इच्छानुसार विस्तार नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, असीम प्रचलित ब्लॉकचेन पर एक डिजिटल वाहक उपकरण के रूप में, स्टेबलकॉइन जारीकर्ता की निगरानी के बिना संचालित

¹³ एफएसबी (2025)। वित्तीय स्थिरता के लिए संक्रमण योजनाओं की प्रासंगिकता, जनवरी।

¹⁴ एफएसबी (2025)। सीमा-पार भुगतान बढ़ाने के लिए जी20 रोडमैप: 2025 के लिए समेकित प्रगति रिपोर्ट, अक्टूबर।

¹⁵ आईएमएफ (2025)। वैधिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, अक्टूबर।

¹⁶ स्टेबलकॉइन्स - क्या वित्तीय प्रणाली में इनकी कोई भूमिका है? श्री टी शंकर द्वारा 12 दिसंबर 2025 को मुंबई में आयोजित मिट वार्षिक बीएसआई सम्मेलन 2025 में दिया गया मुख्य भाषण।

सारणी II.1: चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं में स्टेबलकॉइन के लिए विनियमावली

देश	विनियम	प्रमुख विशेषताएँ
1	2	3
संयुक्त राज्य अमेरिका	गाईडिंग एंड एस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फोर यू.एस. स्टेबलकॉइन्स (जीईएनआईयूएस) एकट ¹⁷	उच्च चल आस्तियों के जारीकर्ताओं की धारिता के मामले में 100 प्रतिशत बैंकअप के साथ दोहरा फेडरल-स्टेट विनियमन।
यूरोपीय संघ	मार्केट्स इन क्रिप्टो-असेट्स (माइक्रो) रेगुलेशन 2024 ¹⁸	स्टेबलकॉइन को दो श्रेणियों में वर्गीकृत करता है - आस्ति-संदर्भित टोकन और ई-मनी टोकन। जारीकर्ताओं को यूरोपीय संघ के प्राधिकार क्षेत्र के भीतर काम करने के लिए लाइसेंस प्राप्त करना होगा।
सिंगापुर	मॉनेटरी अर्थोरिटी ऑफ सिंगापुर (एमएसएस) स्टेबलकॉइन ऐयुलेटरी फ्रेमवर्क 2023 ¹⁹	सिंगापुर डॉलर या सिंगापुर में जारी की जानेवाली किसी भी जी10 मुद्रा से जुड़ी हुई एकल-मुद्रा स्टेबलकॉइन पर लागू।
जापान	रेयुलेटरी फ्रेमवर्क फॉर क्रिप्टो-असेट्स एंड स्टेबलकॉइन ²⁰	केवल बैंक, निधि अंतरण सेवा प्रदाता, और ट्रस्ट कंपनियां डिजिटल-मुद्रा प्रकार के स्टेबलकॉइन जारी करने के हकदार हैं।

होते हैं, जिससे अखंडता से समझौता होता है और धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे वित्तीय अपराधों के लिए उनके उपयोग के बारे में चिंताएँ पैदा होती हैं।²¹

II.24 स्टेबलकॉइन औपचारिक विनियामक निगरानी के तहत विकसित हो रहे हैं, और कई देशों ने निवेशकों की सुरक्षा के लिए स्टेबलकॉइन विनियम लागू किए हैं (सारणी II.1)। एफएसबी ने नवंबर 2025 में क्रिप्टो-आस्ति गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले अपने वैश्विक विनियामक ढांचे की एक अनुवर्ती रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट से पता चला है कि क्रिप्टो-आस्ति गतिविधियों और वैश्विक स्टेबलकॉइन को विनियमित करने में प्रगति हुई है, फिर भी महत्वपूर्ण कमियां बनी हुई हैं। वैश्विक स्टेबलकॉइन विनियमन खंडित है, तथा सीमा पार समन्वय अपर्याप्त है, जिससे प्रभावी निगरानी और प्रणालीगत जोखिमों के लिए समय पर प्रतिक्रिया में बाधा उत्पन्न होती है।²²

3.9 कृत्रिम बुद्धिमत्ता और टोकनाइजेशन

II.25 कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में नवाचार को बढ़ावा देकर, दक्षता बढ़ाकर और आघात-सहनीयता को मजबूत करके वित्तीय प्रणाली को नया रूप देने की क्षमता है। यह

विनियामक अनुपालन में मदद कर सकता है, उन्नत डेटा विश्लेषण को सक्षम बना सकता है, व्यक्तिगत वित्तीय उत्पाद तैयार कर सकता है और धोखाधड़ी का पता लगाने में सुधार कर सकता है। हालाँकि, एफएसबी ने प्रमुख एआई-संबंधित कमियों की पहचान की है जिनका वित्तीय स्थिरता पर प्रभाव पड़ सकता है।²³ इसने वित्तीय प्रणाली में एआई अपनाने और संबंधित कमज़ोरियों की निगरानी का समर्थन करने के लिए कई संकेतकों की पहचान की। इनमें वित्तीय संस्थान में एआई अपनाने की सीमा का मापन, तृतीय-पक्ष एआई सेवा प्रदाताओं की सकेंद्रितता और एआई संबंधित साइबर घटनाओं की निगरानी शामिल है।²⁴

II.26 2024 के अंत में, केंद्रीय बैंक सांख्यिकी पर इरविंग फिशर समिति ने एआई अपनाने की वर्तमान स्थिति का आकलन करने के लिए छह आयामों : (i) दायरा और हित; (ii) अपेक्षाएँ; (iii) अनुप्रयोग; (iv) संगठनात्मक नीतियाँ, अनुशासन और जोखिम; (v) आईटी स्टैक; और (vi) सहयोगात्मक रणनीतियाँ को शामिल करते हुए एक सर्वेक्षण किया।²⁵ सर्वेक्षण में दो प्रमुख निष्कर्ष सामने आएः पहला, एआई के प्रभावी उपयोग के लिए मजबूत अनुशासन ढाँचे की आवश्यकता है, जो

¹⁷ दी गाईडिंग एंड एस्टेब्लिशिंग नेशनल इनोवेशन फोर यूएस स्टेबलकॉइन्स (जीनियस) एकट। स्टेबलकॉइन विधान: 2025 के जीईएनआईयूएस अधिनियम का अवलोकन, लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस, यूएस।

¹⁸ <http://esma.europa.eu/esmas-activities/digital-finance-and-innovation/markets-crypto-assets-regulation-mica>.

¹⁹ https://www.sgpc.gov.sg/api/file/getfile/Media%20Release_MAS%20Finalises%20Stablecoin%20Regulatory%20Framework.pdf?path=/sgpcmedia/media_releases/mas/press_release/P-20230815-2/attachment/Media%20Release_MAS%20Finalises%20Stablecoin%20Regulatory%20Framework.pdf.

²⁰ <https://www.fsa.go.jp/en/news/2022/20220914-2/02.pdf>.

²¹ बीआईएस (2025)। वैश्विक अर्थिक रिपोर्ट, जून।

²² एफएसबी (2025)। क्रिप्टो-आस्ति गतिविधियों के लिए एफएसबी वैश्विक विनियामक ढांचे पर विषयगत समीक्षा।

²³ बीआईएस (2024)। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वित्तीय स्थिरता निहितार्थ, नवंबर।

²⁴ एफएसबी (2025)। वित्तीय क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संबंधित कमियों को अपनाने पर निगरानी, अक्टूबर।

²⁵ बीआईएस (2025)। केंद्रीय बैंकों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अनुशासन और कार्यान्वयन, आईएसी रिपोर्ट संख्या 18।

अभी भी विकसित हो रहे हैं; और दूसरा, एआई के कार्यान्वयन में आईटी बुनियादी ढांचे के तालमेल की जरूरत पर ज़ोर देना शामिल है, क्योंकि बढ़ती अभिगणना माँगों के कारण लागत बढ़ती है और क्लाउड-आधारित समाधान मापनीयता प्रदान करते हुए डेटा सुरक्षा और संप्रभुता संबंधी चुनौतियाँ उत्पन्न करते हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा क्लोज्ड बनाम ओपन-स्रोत एआई मॉडल के चुनाव से संबंधित है।

II.27 टोकनाइजेशन — पारंपरिक बहीखातों से प्रोग्राम योग्य प्लेटफ़ॉर्म पर वास्तविक या वित्तीय आस्तियों पर दावों का पंजीकरण अगली पीढ़ी के वित्तीय बाजार अवसंरचना के एक प्रमुख तत्व के रूप में उभर रहा है। बीआईएस ने मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली के विकास में अगले चरण के रूप में टोकनाइजेशन की पहचान की है, क्योंकि यह संदेश भेजने, समाधान और आस्ति हस्तांतरण को एक ही परिचालन में एकीकृत करने में सक्षम बनाता है।²⁶ यह रिपोर्ट मौजूदा प्रणालियों में टकराव को कम करने और अधिक लचीले और स्वचालित अनुबंध तंत्रों को प्रस्तुत करने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालती है। टोकनाइजेशन सीमा-पार भुगतानों में, मध्यस्थों की वर्तमान शृंखला और अनुक्रमिक खाता अद्यतनों को एकल, एकीकृत प्रक्रिया से प्रतिस्थापित करके प्रतिनिधि बैंकिंग को सुव्यवस्थित कर सकता है। यह बेहतर संपार्थिक प्रबंधन, मार्जिनिंग और वितरण-बनाम-भुगतान प्रक्रियाओं के माध्यम से पूँजी बाजारों के कामकाज में भी सुधार कर सकता है।

II.28 टोकनाइजेशन की पहल वैश्विक स्तर पर गति पकड़ रही है। बीआईएस के एक अध्ययन²⁷ ने टोकनयुक्त सरकारी

बॉण्ड के मामले का आकलन किया, और टोकनयुक्त वित्तीय पारितंत्र, केंद्रीय बैंक की आरक्षित निधि और वाणिज्यिक बैंक धन में एक आधारभूत तत्व बनने की उनकी क्षमता पर प्रकाश डाला। सरकारी बॉण्ड का टोकनाइजेशन, जो 2024 में लगभग 80 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की बकाया राशि के साथ वैश्विक वित्तीय आस्तियों के सबसे बड़े हिस्से के लिए जिम्मेदार था, विश्वास को बढ़ा सकता है, निपटान दक्षता बढ़ा सकता है और मौद्रिक संचालन का समर्थन कर सकता है। हालाँकि, अध्ययन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि ये लाभ मापनीयता, विनियामक स्पष्टता और सहायक अवसंरचना पर निर्भर हैं।

4. वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र का कार्य-निष्पादन

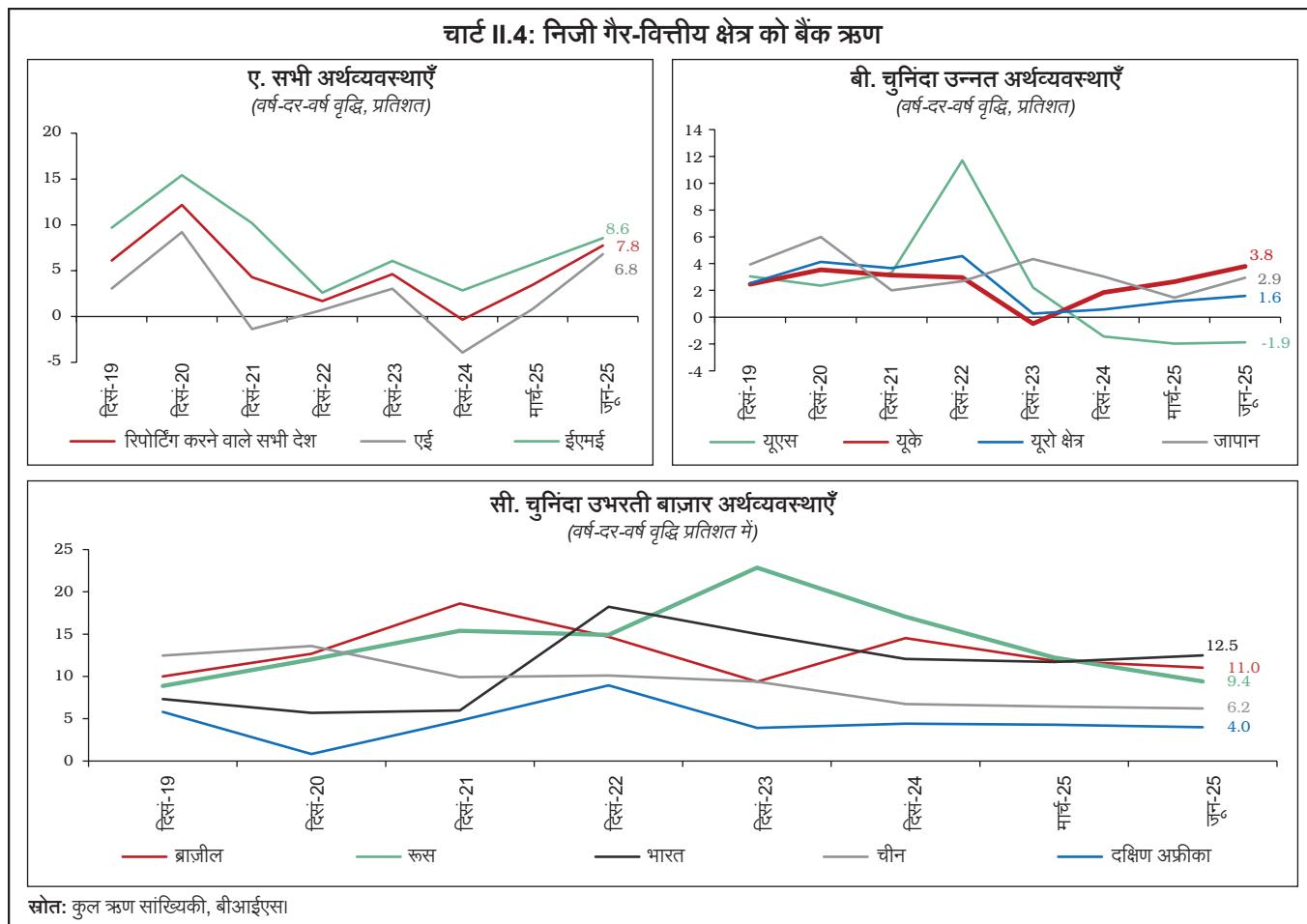
II.29 दिसंबर 2024 के अंत में, उन्नत और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में निजी गैर-वित्तीय क्षेत्र में बैंक ऋण में गिरावट आई, जबकि एई में ऋण संवृद्धि नकारात्मक रही (चार्ट II.4ए)। हालांकि 2024 की दूसरी छमाही में मौद्रिक नीति में सहजता दी जाने लगी थी, लेकिन संचलन में लंबे अंतराल के कारण ऋण की सख्त शर्तों ने 2024 तक गतिविधियों पर असर डाला।²⁸ 2025 की पहली छमाही में, दोनों समूहों में ऋण वृद्धि में तेजी आई, हालांकि अलग-अलग देशों में इसमें भिन्नता देखी गई। उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में, ब्राज़ील और दक्षिण अफ्रीका अपवाद रहे, जहाँ 2023 की तुलना में 2024 में ऋण संवृद्धि में बढ़ोतरी हुई (चार्ट II.4बी और सी)। उच्च आय वृद्धि और वित्तीय समावेशन के विस्तार में सफलता के कारण, ब्राज़ील ने सख्त मौद्रिक नीति के बावजूद मजबूत ऋण संवृद्धि का प्रदर्शन किया।²⁹

²⁶ बीआईएस (2025)। वार्षिक अर्थिक रिपोर्ट, जून।

²⁷ एल्डासोरो, आई., कॉर्नली, जी., फ्रॉस्ट, जे., कू विल्केस, पी., लेवरिक, यू., और श्रीति, वी. (2025)। सरकारी बॉण्ड का टोकनाइजेशन: मूल्यांकन और रोडमैप। बीआईएस बुलेटिन सं. 107, जुलाई।

²⁸ कवालिएटी, एल. (2024)। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में हाल के ऋण में बढ़ोतरी एवं कमी: संचालक और प्रभाव। ओर्झिटी अर्थशास्त्र विभाग वर्किंग पेपर्स, सं. 1826।

²⁹ <https://www.imf.org/en/News/Articles/2025/10/09/Explaining-Strong-Credit-Growth-in-Brazil-Despite-High-Policy-Rates>.



4.1 आस्ति गुणवत्ता

II.30 वर्ष 2024 में, कुल सकल ऋणों में अनर्जक ऋणों के अनुपात (एनपीएल अनुपात) द्वारा मापी जानेवाली बैंकों की आस्ति गुणवत्ता चुनिंदा एई के लिए बिगड़ गई (सारणी II.2)। वर्ष 2024 में कुछ अर्थव्यवस्थाओं में मामूली वृद्धि के बावजूद, मुख्य रूप से कॉर्पोरेट ऋण बही (विशेष रूप से व्यावसायिक स्थावर संपत्ति और छोटे एवं मध्यम ऋण) के कारण, यूरो क्षेत्र के बैंकों का एनपीएल अनुपात कम रहा।³⁰ अधिकांश ईएमडीई के लिए, आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ, जिसमें वियतनाम भी शामिल है, जहाँ प्रमुख क्षेत्रों, विशेष रूप

से स्थावर संपत्ति में संकट के कारण उच्च एनपीएल अनुपात बना रहा।³¹

4.2 प्रावधान क्वरेज अनुपात

II.31 उच्च प्रावधान क्वरेज अनुपात (पीसीआर) बैंक की ऋण हानियों के प्रति उच्च आघात-सहनीयता दर्शाता है। वर्ष 2024 में कुछ कमी के बावजूद, चुनिंदा एई में, अमेरिका स्थित बैंकों ने उच्चतम पीसीआर बनाए रखा (चार्ट II.5ए)। हालाँकि, अन्य एई में यह अनुपात 50 प्रतिशत से नीचे रहा। ईएमडीई के बीच, चीन में बैंकों ने उच्च पीसीआर बनाए रखा और 2024 में इस अनुपात में सुधार हुआ (चार्ट II.5बी)।

³⁰ <https://www.ecb.europa.eu/press/financial-stability-publications/fsr/html/ecb.fsr202505~0cde5244f6.en.html#toc2>.

³¹ वियतनाम संबंधी वांशिक परामर्श रिपोर्ट (2024)। एसईएन+3 समाप्ति आर्थिक अनुसंधान कार्यालय। https://amro-asia.org/wp-content/uploads/2025/03/2024-Vietnam-ACR_publication_21Feb2025.pdf पर उपलब्ध है।

सारणी II.2: आस्ति गुणवत्ता

(एनपीएल अनुपात)

(प्रतिशत)

देश	2015	2020	2023	2024	तिः 1:2025	तिः 2:2025
1	2	3	4	5	6	7
उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ						
ऑस्ट्रेलिया	0.89	1.11	0.85	0.99	1.06	लागू नहीं
कनाडा	0.52	0.53	0.45	0.57	0.65	0.68
जापान	1.47	1.22	1.28	1.10	1.10	लागू नहीं
यूके	1.01	0.98	0.98	1.02	0.98	0.96
यूरूस	1.47	1.07	0.85	0.97	0.95	0.93
यूरो क्षेत्र						
फ्रांस	3.52	2.38	2.06	2.09	2.07	लागू नहीं
जर्मनी	लागू नहीं	लागू नहीं	1.54	1.77	1.73	1.79
इटली	18.06	4.36	2.71	2.77	लागू नहीं	2.71
नीदरलैंड	2.71	1.88	1.55	1.64	1.58	1.48
स्पेन	5.09	2.85	3.06	2.87	2.82	2.69
उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ						
ब्राजील	2.85	1.87	2.84	2.72	3.08	लागू नहीं
चीन	1.67	1.84	1.59	1.50	1.51	1.49
भारत	5.88	7.94	3.36	2.50	2.34	2.35
इंडोनेशिया	2.32	2.64	1.96	1.94	2.01	2.05
मेकिसको	2.60	2.56	2.08	2.02	2.00	2.10
फिलीपीन्स	1.89	3.53	3.19	3.20	3.26	3.27
रूस	8.38	8.16	4.51	4.58	लागू नहीं	लागू नहीं
दक्षिण अफ्रीका	3.12	5.18	4.72	4.54	4.60	लागू नहीं
थाईलैंड	2.68	3.23	2.76	2.81	2.92	लागू नहीं
वियतनाम	2.76	1.87	5.41	4.85	4.91	लागू नहीं

लागू नहीं – डेटा उपलब्ध नहीं।

टिप्पणियाँ: 1. रूस के लिए 2024 के लिए डेटा तिः 1:2024 से संबंधित है।

2. जापान के लिए वार्षिक डेटा अगले वर्ष की पहली तिमाही से संबंधित है।

स्रोत: वित्तीय सुदृढ़ता संकेतक, आईएमएफ।

4.3 बैंक लाभप्रदता

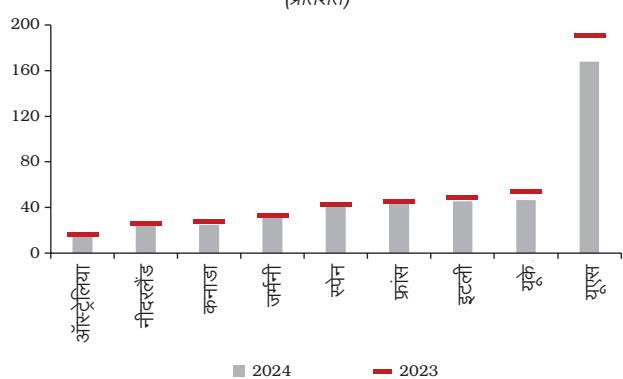
II.32 वर्ष 2024 में आस्ति पर प्रतिलाभ (आरओए) द्वारा मापी गई लाभप्रदता, मामूली गिरावट के साथ ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड में अधिकांश ईर्ष में बढ़ी (चार्ट II.6ए)। ईएमडीई ने भी कुछ अपवादों को छोड़कर, सामान्यतः लाभप्रदता में सुधार दिखाया (चार्ट II.6बी)। 2024 में, बढ़ते निवल ब्याज मार्जिन और बड़े बैंकों के लिए आस्ति प्रबंधन, परामर्शी और व्यापारिक सेवाओं के मजबूत प्रदर्शन ने राजस्व में वृद्धि की। साथ ही, सभी क्षेत्रों में ऋण हानि प्रावधानों में हुई कमी आरओए का एक महत्वपूर्ण चालक रही है।³²

4.4 पूँजी पर्याप्तता

II.33 बैंकों ने अपने पूँजी स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे उनकी हानि को सहने की क्षमता बढ़ी है। विनियामक जोखिम-भारित आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (सीआरएआर) द्वारा मापी गई पूँजी पर्याप्तता, सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बासेल III मानदंडों से ऊपर बनी हुई है। आईएमएफ के वैश्विक दबाव परीक्षण से पता चलता है कि वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र मोटे तौर पर आधात-सहनीय बना हुआ है।

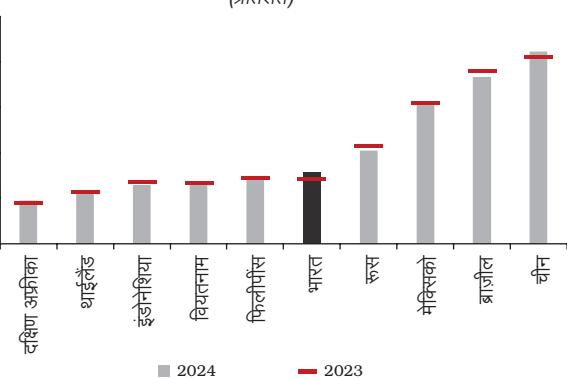
चार्ट II.5: प्रावधान कवरेज अनुपात

(अनर्जक ऋणों के प्रतिशत के रूप में एनपीएल प्रावधान)

ए. चुनिदा उन्नत अर्थव्यवस्थाएँ
(प्रतिशत)

बी. चुनिदा उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ

(प्रतिशत)



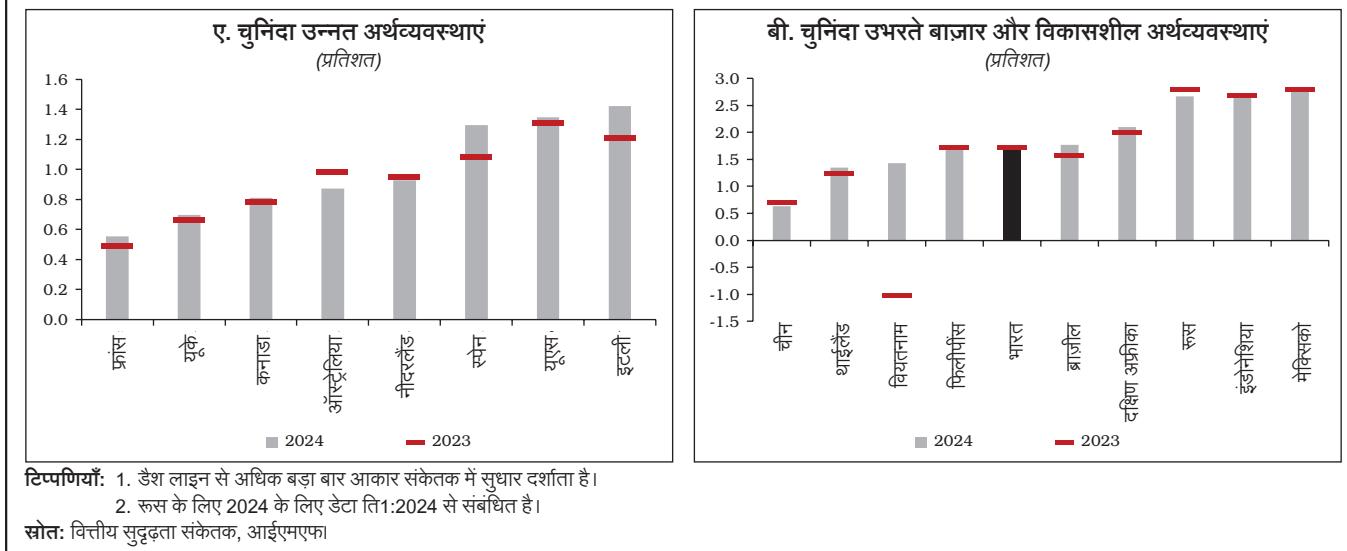
टिप्पणियाँ: 1. डेश लाइन से अधिक बड़ा बार आकार संकेतक में सुधार दर्शाता है।

2. रूस के लिए 2024 के लिए डेटा तिः 1:2024 से संबंधित है।

स्रोत: वित्तीय सुदृढ़ता संकेतक, आईएमएफ।

³² आईएमएफ (2025)। वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, अप्रैल।

चार्ट II.6: आस्तियों पर प्रतिलाभ



हालाँकि, गंभीर मुद्रास्फीति जनित मंदी के परिदृश्य में, बैंकों का सामान्य इकिवटी टियर 1 पूँजी (सीईटी1) अनुपात, जो वैश्विक बैंक आस्तियों का लगभग 18 प्रतिशत है, 7 प्रतिशत से नीचे आ गया है।³³ यह अधिकांश क्षेत्रों में बेहतर पूँजीकरण के कारण 2023 के दबाव परीक्षण परिणामों से बेहतर है।

II.34 एई में, यूके स्थित बैंकों ने उच्च पूँजी बफर बनाए रखा, हालाँकि अमेरिका स्थित बैंकों ने 2024 में कुछ सुधार के साथ, निम्नतर सीआरएआर बनाए रखा। यूरो क्षेत्र में, प्रतिधारित आय के रूप में उच्च आंतरिक पूँजी सृजन का बैंकों के पूँजी अनुपात पर एक मजबूत सकारात्मक प्रभाव जारी रहा।³⁴ ईएमडीई में पूँजी अनुपात मिश्रित पैटर्न दर्शाता है, जिसमें इंडोनेशियाई बैंक ने 2024 में सीआरएआर को 25 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा है (सारणी II.3)।

4.5 लीवरेज अनुपात

II.35 कुल आस्तियों में विनियामक टियर 1 पूँजी के रूप में परिभाषित लीवरेज अनुपात यह मापता है कि बैंक आस्तियों को किस हद तक इकिवटी द्वारा वित्त पोषित किया जाता है,

³³ आईएमएफ (2025)। वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट, अक्टूबर। वैश्विक तनाव परीक्षण में 29 देशों के 669 बैंकों की जांच की गई, जो वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र की आस्तियों का 74 प्रतिशत है।

³⁴ ईसीबी (2025)। वित्तीय स्थिरता समीक्षा। नवंबर।

सारणी II.3: जोखिम-भारित आस्तियों की तुलना में विनियामकीय पूँजी अनुपात

देश	2015	2020	2023	2024	तिएः2025	तिएः2025
1	2	3	4	5	6	7
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं						
ऑस्ट्रेलिया	13.8	17.6	19.9	20.2	20.5	लागू नहीं
कनाडा	14.2	16.1	17.1	16.8	16.9	17.5
जापान	15.9	16.6	16.4	16.7	16.7	लागू नहीं
यूके	19.6	21.6	21.3	21.3	20.7	20.5
यूरोप	14.1	16.3	15.9	16.3	16.3	16.8
यूरो क्षेत्र						
फ्रांस	16.4	19.5	19.5	19.8	19.8	लागू नहीं
जर्मनी	लागू नहीं	लागू नहीं	19.9	20.5	20.1	20.5
इटली	14.8	19.3	19.4	19.7	लागू नहीं	19.8
नीदरलैंड	20.1	22.8	21.1	20.9	21.2	21.6
स्पेन	14.7	17.0	17.1	17.5	17.8	17.8
उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं						
ब्राजील	16.4	19.1	17.9	17.1	17.0	लागू नहीं
चीन	13.5	14.7	15.1	15.7	15.3	15.6
भारत	12.7	15.6	15.6	16.4	17.0	17.4
इंडोनेशिया	18.9	22.1	25.8	25.1	23.7	24.3
मेक्सिको	15.0	17.7	18.8	19.1	19.9	20.0
फिलीपींस	15.3	16.3	16.3	15.8	15.9	15.7
रूस	12.7	13.8	13.1	12.9	लागू नहीं	लागू नहीं
दक्षिण अफ्रीका	14.2	16.6	16.1	16.3	16.1	लागू नहीं
थाईलैंड	17.1	19.8	19.6	20.1	20.4	लागू नहीं
वियतनाम	12.8	11.1	11.7	12.3	12.4	लागू नहीं

लागू नहीं – डेटा उपलब्ध नहीं।

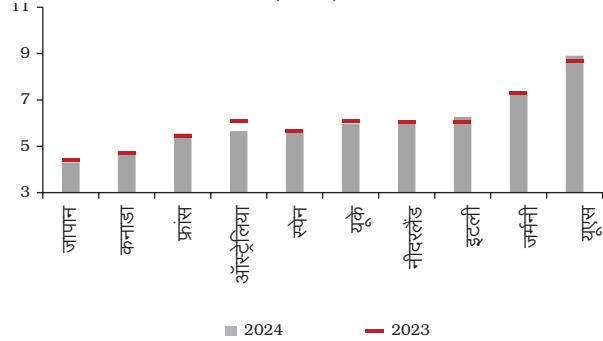
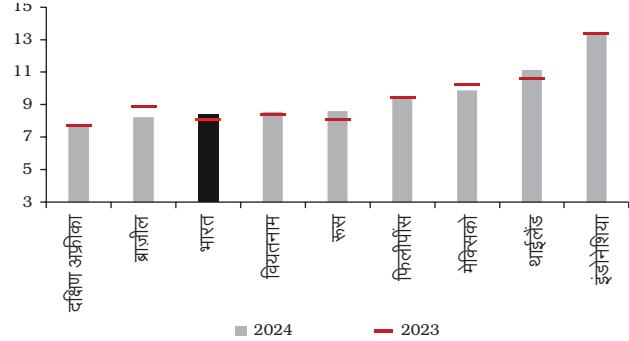
टिप्पणियाँ: 1. रूस के लिए 2024 के लिए डेटा तिएः2024 से संबंधित है।

2. जापान के लिए वार्षिक डेटा अगले वर्ष की पहली तिमाही से संबंधित है।

स्रोत: वित्तीय सुदृढ़ता संकेतक, आईएमएफ।

चार्ट II.7: लीवरेज अनुपात

(कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में विनियामकीय टियर 1 पूँजी)

ए. चुनिंदा उन्नत अर्थव्यवस्थाएं
(प्रतिशत)बी. चुनिंदा उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं
(प्रतिशत)

टिप्पणियाँ: 1. डेंश लाइन से अधिक बड़ा बार आकार संकेतक में सुधार दर्शाता है।
2. रुस के लिए 2024 के लिए डेटा तिए 1:2024 से संबंधित है।
3. जापान के लिए वार्षिक डेटा अगले वर्ष की पहली तिमाही से संबंधित है।

स्रोत: वित्तीय सुदृढ़ता संकेतक, आईएमएफ।

जो अत्यधिक जोखिम एक्सपोजर के लिए सुरक्षा के रूप में कार्य करता है। एई और ईएमडीई दोनों में बैंकों ने लीवरेज अनुपात को 3.0 प्रतिशत की न्यूनतम बासेल III आवश्यकता से चरम स्तर पर बनाए रखा। एई में, अमेरिका में स्थित बैंकों ने उच्च लीवरेज अनुपात बनाए रखना जारी रखा (चार्ट II.7ए)। दिसंबर 2024 में, ईसीबी ने अत्यधिक लीवरेज के जोखिम के कारण बैंकों पर पूँजी बढ़ाने की आवश्यकता जाहिर की है। लीवरेज अनुपात स्तंभ 2 की आवश्यकता के अधीन बैंक-विशिष्ट अनिवार्य आवश्यकताएं न्यूनतम आवश्यक 3 प्रतिशत के लीवरेज अनुपात के अतिरिक्त 10 से 40 आधार अंकों के बीच थी।³⁵ ईएमडीई में बैंकों ने आम तौर पर एई की तुलना में उच्चतर लीवरेज अनुपात बनाए रखा और 2024 में कई अर्थव्यवस्थाओं में इस अनुपात में सुधार आया (चार्ट II.7बी)।

4.6 वित्तीय बाजार संकेतक

II.36 टैरिफ और व्यापार नीति अनिश्चितता वित्तीय बाजार में बढ़ती अस्थिरता से जुड़ी हैं। 2 अप्रैल 2025 को टैरिफ की घोषणा के बाद की अचानक सरक्ती से, वैधिक स्तर पर

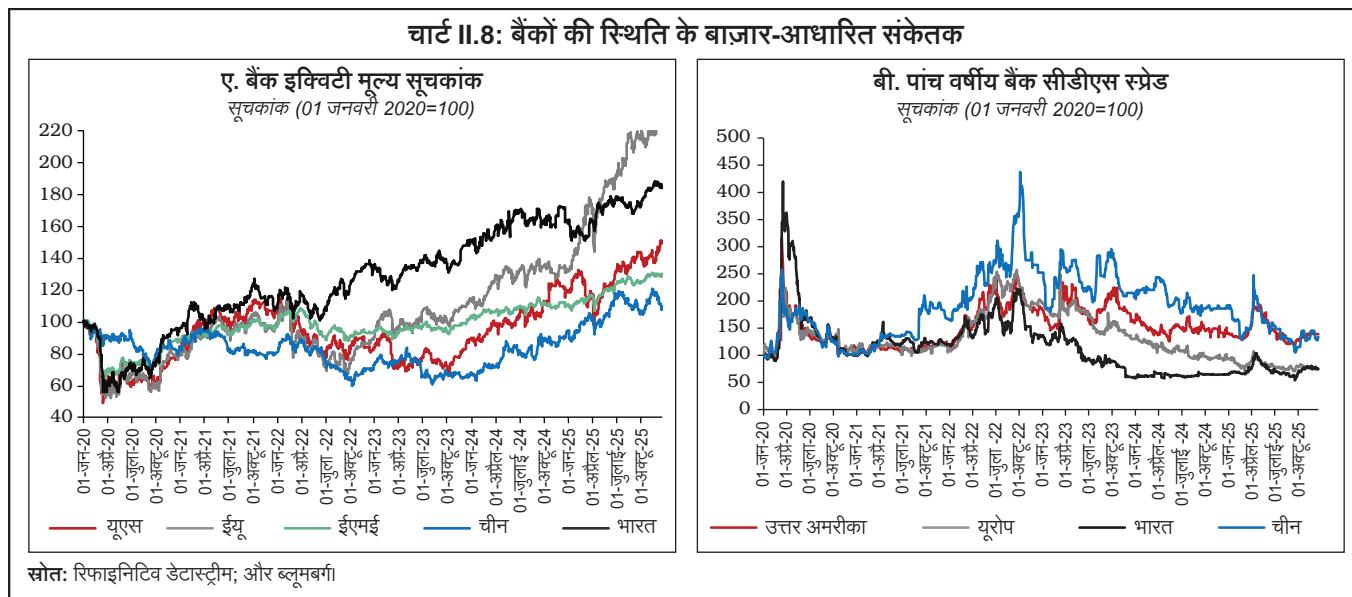
आस्ति कीमतों में आई तेजी और कमजोर डॉलर ने दुनिया भर में वित्तीय स्थिति को आसान बना दिया। 2 अप्रैल 2025 को अमेरिकी टैरिफ की घोषणा के बाद, विशेष रूप से यूरो क्षेत्र में, बैंक इकिवटी की कीमतों में तेजी से गिरावट आई, जो बढ़ते व्यापार तनाव और उनके वैधिक संवृद्धि एवं वित्तीय स्थिरता पर संभावित प्रभाव के बारे में निवेशकों की चिंताओं को दर्शाती है। हालांकि, 9 अप्रैल को घोषित टैरिफ के कार्यान्वयन पर 90-दिनों के विराम के बाद, शेयर सूचकांकों में सुधार के संकेत दिखाई दिए। हाल ही में, उम्मीद से अधिक मजबूत यूरोपीय बैंक की कमाई, जो बाजार में उतार-चढ़ाव पर व्यापार से बढ़ी थी, ने उनके शेयर की कीमतों का समर्थन किया है (चार्ट II.8ए)।³⁶ टैरिफ की घोषणा के बाद, अप्रैल 2025 में हाल की ऊंचाई के बाद, ऋण चूक स्वैप (सीडीएस) स्प्रेड कम हो गए हैं, जो बेहतर बाजार धारणा और कम कथित चूक जोखिम को दर्शाते हैं (चार्ट II.8बी)।

5. विश्व के सबसे बड़े बैंक

II.37 वर्ष 2024 में भी टियर 1 पूँजी के आधार पर विश्व के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में चीन का दबदबा बना रहेगा (चार्ट

³⁵ बैंकिंग पर्यवेक्षण प्रेस विज्ञप्ति (2024)। यूरोपीय सेंट्रल बैंक, दिसंबर।

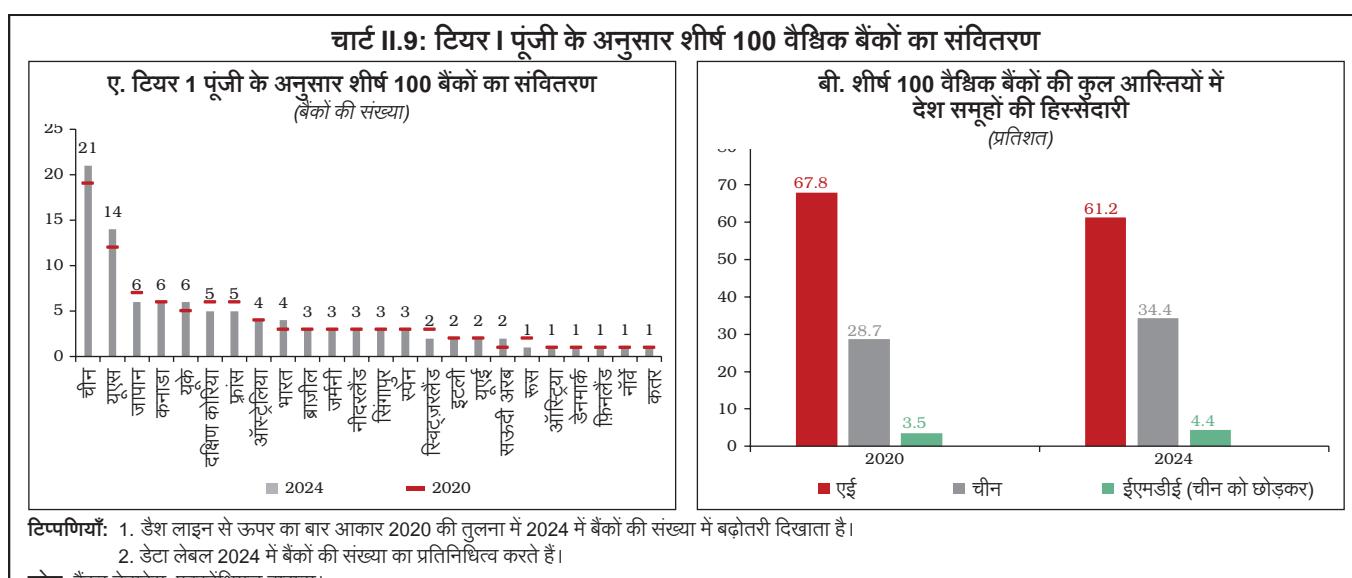
³⁶ उइसल, पी., लिंच, के. एंड जेर, आई. (2025)। अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ घोषणा और यूरोपीय बैंक स्टॉक कार्यनिष्पादन। एफईडीएस टिप्पणियाँ, वाशिंगटन: बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ऑफ फेडरल रिजर्व सिस्टम, अगस्त, 26।



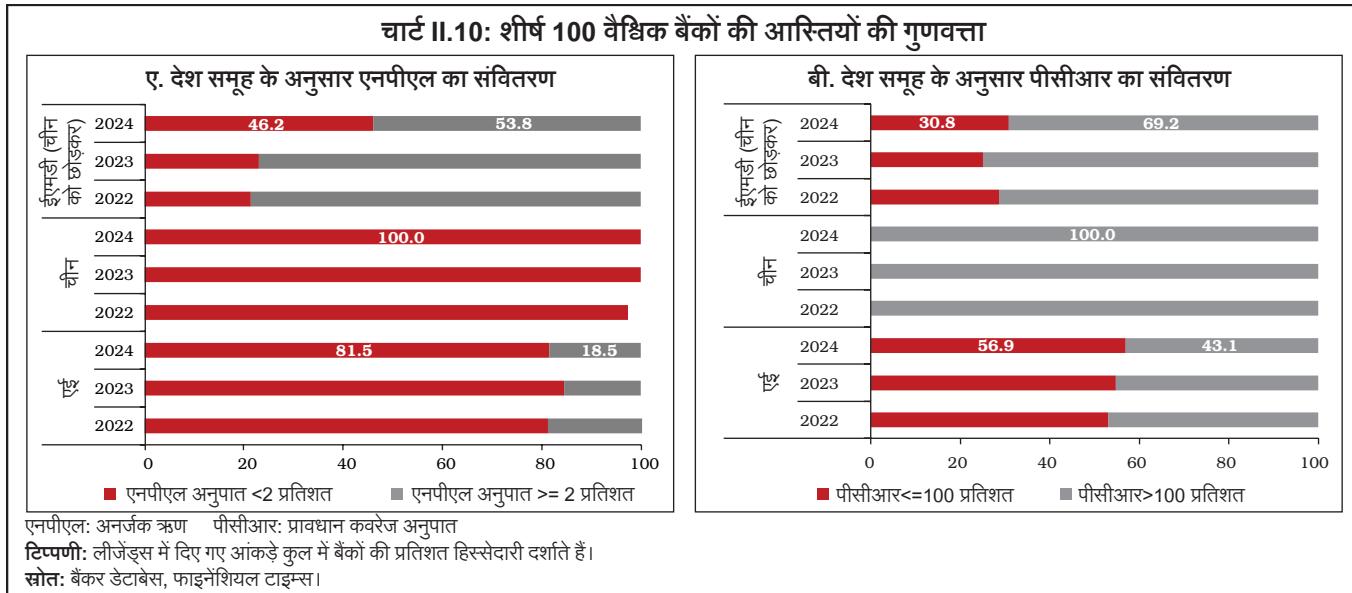
॥.9ए)। कुल आस्तियों के संदर्भ में, 2020 और 2024 के बीच वितरण में बदलाव आया, जहाँ एई की हिस्सेदारी घटी, और चीन तथा अन्य ईएमडीई दोनों अपने-अपने हिस्सेदारी में वृद्धि कर रह हैं (चार्ट ॥.9बी)। एई के सबसे बड़े बैंकों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में गिरावट और स्थानीय बाजारों पर ध्यान बढ़ाने की प्रवृत्ति जारी रही।

II.38 वर्ष 2024 में, ईएमडीई में बैंकों की आस्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2 प्रतिशत से अधिक

या उसके बराबर एनपीएल अनुपात वाले बैंकों के कम अनुपात में परिलक्षित होता है। इसके विपरीत, ईई में बैंकों की आस्ति गुणवत्ता में मामूली गिरावट आई। इसके अतिरिक्त, विश्व के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल सभी चीनी बैंकों ने लगातार अपना एनपीएल अनुपात 2 प्रतिशत से नीचे बनाए रखा (चार्ट II.10ए)। शीर्ष 100 बैंकों में सभी चीनी बैंकों का प्रावधान कवरेज अनुपात जो हानि अवशोषण क्षमता का एक संकेतक है, 100 प्रतिशत से ऊपर रहा। अन्य ईएमडीई में, जिन बैंकों का पीसीआर 100 प्रतिशत से ऊपर था, उनकी हिस्सेदारी एक



चार्ट II.10: शीर्ष 100 वैश्विक बैंकों की आस्तियों की गुणवत्ता



वर्ष पहले के 75.0 प्रतिशत से 2024 में घटकर 69.2 प्रतिशत हो गई। इसके विपरीत, एई में 50 प्रतिशत से अधिक बैंकों में पीसीआर 100 प्रतिशत से कम था। (चार्ट II.10बी)

II.39 बैंकों की पूँजी पर्याप्तता बनी रहने से वैश्विक बैंकिंग प्रणाली ने आघात-सहनीयता का प्रदर्शन किया। 2024 में, ईएमडीई (चीन को छोड़कर) और एई में बैंकों के लिए पूँजी पर्याप्तता अनुपात का मॉडल क्लास 16 प्रतिशत से अधिक या उसके बराबर था, जबकि चीन में बैंकों का मॉडल क्लास 12-14 प्रतिशत के बीच रहा। चीन और अन्य ईएमडीई ने 2020 की तुलना में 2024 में उच्चतम पूँजी ब्रैकेट में बैंकों की हिस्सेदारी में वृद्धि दर्शाई (चार्ट II.11ए)। बड़े वैश्विक बैंकों का लीवरेज अनुपात, जिसकी गणना टियर 1 पूँजी और कुल आस्तियों के अनुपात के रूप में की जाती है, 2024 में मजबूत हुआ। चीन और अन्य ईएमडीई के बैंकों ने लीवरेज अनुपात में उल्लेखनीय सुधार दिखाया, जिसमें मॉडल क्लास उच्च स्तर की ओर बढ़ा। एई में, मॉडल वर्ग चार से छह प्रतिशत पर रहा (चार्ट II.11बी)।

II.40 लाभप्रदता के संदर्भ में, ईएमडीई (चीन को छोड़कर) के शीर्ष बैंकों ने एई और चीनी समकक्षों की तुलना में

बेहतर लाभप्रदता प्रदर्शित करना जारी रखा। ईएमडीई में 2024 में एक से दो प्रतिशत की सीमा में आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) वाले बैंकों की उच्चतर संकेंद्रितता थी। चीन में, 95 प्रतिशत बैंकों का आरओए शून्य से एक प्रतिशत के दायरे में था (चार्ट II.11सी)। लागत-से-आय अनुपात बैंक की परिचालन दक्षता का एक प्रमुख माप है। चीनी बैंकों ने उभरती और उन्नत दोनों अर्थव्यवस्थाओं के अपने समकक्षों की तुलना में अधिक दक्षता का प्रदर्शन किया, जो उनके लगातार निम्नतर लागत-से-आय अनुपात का पता लगाता है (चार्ट II.11डी)।

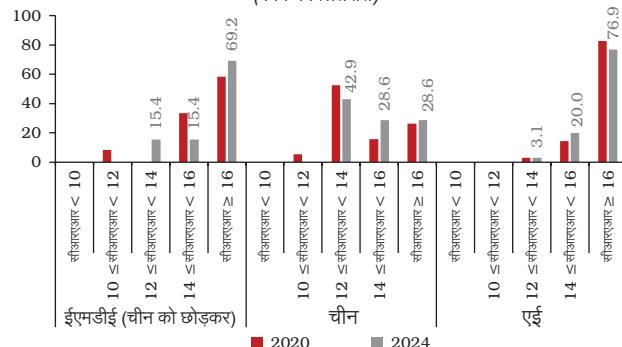
6. समग्र मूल्यांकन

II.41 वैश्विक समष्टि आर्थिक परिस्थितियाँ व्यापार तनावों और भू-आर्थिक विखंडनों के बीच अस्थिर बनी रहीं। विकास के दृष्टिकोण के लिए जोखिमों में गिरावट बनी रही। विकास में कमी और मुद्रास्फीति में गिरावट के साथ, अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने 2024 से मौद्रिक नीति में सहजता चक्र जारी रखें। वैश्विक बैंकिंग क्षेत्र मजबूत पूँजी स्थिति और बेहतर लाभप्रदता के समर्थन से व्यापक रूप से आघात-सहनीय बना रहा, जबकि 2024 में बैंक क्रण संवृद्धि में कमी आई। हालांकि गैर-बैंक

चार्ट II.11: शीर्ष 100 वैश्विक बैंकों की सुदृढ़ता

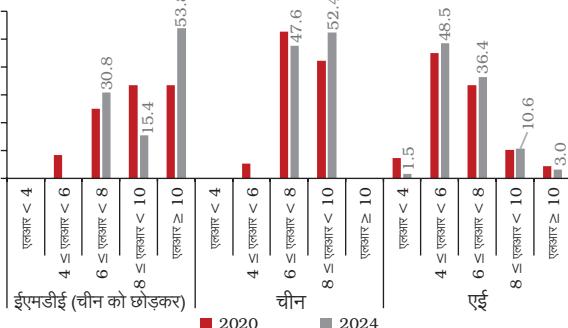
ए. सीआरएआर के अनुसार संवितरण

(बैंकों का प्रतिशत)



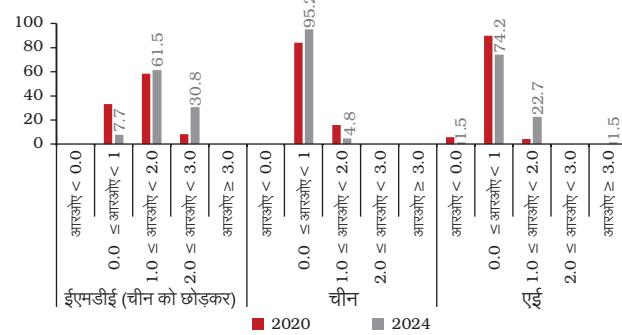
बी. लीवरेज अनुपात के अनुसार संवितरण

(बैंकों का प्रतिशत)



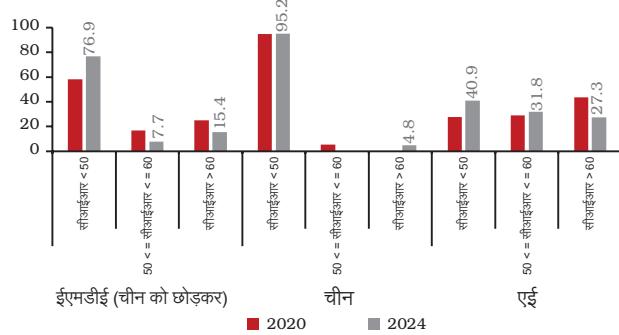
सी. आस्तियों पर प्रतिलाभ के अनुसार संवितरण

(बैंकों का प्रतिशत)



डी. लागत और आय अनुपात के अनुसार संवितरण

(बैंकों का प्रतिशत)



स्रोत: बैंक डेटाबेस, फाइनेंशियल टाइम्स।

वित्तीय संस्थानों के प्रति एक्सपोजर संभावित कमियां पैदा करते हैं, फिर भी प्रणाली-व्यापी दबाव संकेतक नियंत्रित बने हुए हैं।

II.42 वित्तीय स्थिरता की रक्षा और यह सुनिश्चित करने के लिए कि बैंक वैश्विक विकास को समर्थन देने के लिए एक विश्वसनीय

माध्यम बने रहें, मजबूत पर्यवेक्षण, प्रभावी समष्टि विवेकपूर्ण ढाँचों और अंतर्संबंधों की बढ़ी हुई निगरानी के माध्यम से निरंतर सतर्कता महत्वपूर्ण होगी। बढ़ी हुई वैश्विक अनिश्चितता की स्थिति में विवेकपूर्ण विनियमन और पर्यवेक्षण के अलावा, समष्टि-वित्तीय स्थिरता के लिए राजकोषीय अनुशासन और संतुलित मौद्रिक नीतिगत कदम भी महत्वपूर्ण बने हुए हैं।